Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 10 अप्रैल, 2021

प्रसि फलिपि

09 अप्रैल, 2021 को ब्रटिन के प्रसि फलिपि का 99 वर्ष की आयु में नधिन हो गया। एडनिबर्ग के ड्यूक प्रसि फलिपि ने वर्ष 1947 में ब्रटिन की राजकुमारी एलज़िाबेथ-II से ववािह कयिा था, जो कि ब्रटिशि इतहिास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महलिा हैं। प्रसि फलिपि का जन्म 10 जून, 1921 को कोर्फू (ग्रीस) में हुआ था और वे ग्रीस के राजकुमार एंड्रयू के इकलौते पुत्र थे। उनकी माँ बैटलबर्ग की राजकुमारी थीं, इसलयि प्रसि फलिपि को 'प्रसि ऑफ ग्रीस एंड डेनमार्क' भी कहा जाता था। राजकुमारी एलज़िाबेथ-II के साथ ववािह के बाद, प्रसि फलिपि को 'ड्यूक ऑफ एडनिबर्ग', 'अर्ल ऑफ मेरयिोनेथ' और 'बैरन ग्रीनवचि' की उपाधयिों से सम्मानति कयिा गया था। प्रसि फलिपि वर्ष 1939 में एक कैडेट के रूप में रॉयल नेवी में शामलि हुए। अपना प्रारंभकि प्रशक्षिण पूरा करने के बाद, प्रसि फलिपि ने वर्ष 1940 में युद्धपोत HMS रैमलिीज़ पर मडिशपिमैन के रूप में हदि महासागर में छह माह तक अपनी सेवाएँ दी थीं। बाद में प्रसि फलिपि को सब-लेफ्टनिेंट के रूप में पदोन्नत दे दी गई। वर्ष 1947 में उन्होंने राजकुमारी एलज़िाबेथ से ववािह कयिा और वर्ष 1952 में उन्हें रॉयल नेवी के कमांडर के तौर पर पदोन्नत कयिा गया, हालाँकि राजकुमारी एलज़िाबेथ-II के पतिा, कगि जॉर्ज-VI की मृत्यु के बाद रॉयल नौसेनकि के तौर पर प्रसि फलिपि का कॅरयिर समाप्त हो गया।

दुती चंद

जकार्ता एशयिाई खेलों में 100 और 200 मीटर में रजत पदक जीतने वाली भारत की महलिा धावक दुती चंद को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के 'वीरानी पुरस्कार' से सम्मानति कयिा जाएगा। इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी आधकिारकि वज्ञिप्त के मुताबकि, खेल के क्षेत्र में दुती चंद के योगदान को देखते हुए उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानति करने का नरि्णय लयिा गया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2019 में, ओडशिा की धावक दुती चंद, इटली में आयोजति वशि्व वशि्ववदि्यालय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महलिा बनी थीं। दुती चंद ने 100 मीटर की दौड़ 11.22 सेकंड में पूरी कर राष्ट्रीय रकिॉर्ड बनाया है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा खेल, साहति्य, शक्षिा, कानून, संगीत, इतहिास, सामाजकि कार्य और व्यवसाय सहति वभिन्नि क्षेत्रों में महलिाओं के योगदान को रेखांकति करने के लयि छत्तीसगढ़ वीरानी पुरस्कारों का गठन कयिा गया था। इस पुरस्कार का उद्देश्य, भारतीय समाज में महलिाओं को सशक्त बनाना और उनकी उपलब्धयिों को रेखांकति करना है, साथ ही यह महलिाओं को वभिन्नि क्षेत्रों में अग्रणी भूमकिा नभिाने के लयि भी प्रेरति करता है।

हॉन्गकॉन्ग प्रवासयिों के लयि ब्रटिन का फंड

ब्रटिशि सरकार ने हाल ही में ब्रटिन के पूर्व उपनवशि-हॉन्गकॉन्ग में राजनीतकि दमन से बच कर आने वाले प्रवासयिों को एक नया जीवन शुरू करने के लयि 59 मलियिन डॉलर (43 मलियिन पाउंड) का कोष स्थापति करने की घोषणा की है। इस कोष के तहत हॉन्गकॉन्ग के ऐसे सभी ब्रटिशि नेशनल (ओवरसीज़) पासपोर्ट धारक लाभ प्राप्त करने के लयि पात्र होंगे, जनि्हें वशिेष वीज़ा की पेशकश की गई है। यह ब्रटिन में कार्य करने, नविास करने और अंततः वहाँ की नागरकिता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है। हॉन्गकॉन्ग की कुल 7.4 मलियिन आबादी में से 5 मलियिन लोग इस कोष के तहत लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र होंगे। इस कोष के तहत शुरू कयि जाने वाले एकीकृत कार्यक्रमों के माध्यम से आवास, शक्षिा और रोज़गार तक पहुँच प्राप्त करने में मदद करने का प्रयास कयिा जाएगा। चीन ने ब्रटिन के इस कदम की कड़ी आलोचना की है और उसे 'पासपोर्ट प्रणाली' के दुरुपयोग के रूप में परभिाषति कयिा है, साथ ही चीन ने ब्रटिशि नेशनल (ओवरसीज़) पासपोर्ट को एक यात्रा अथवा पहचान दस्तावेज़ के रूप में मान्यता नहीं दी है। गौरतलब है कि वर्ष 1997 तक हॉन्गकॉन्ग ब्रटिशि साम्राज्य के नयिंत्रण में था। 'वन कंट्री, टू ससि्टम' के सद्धिांत के तहत, हॉन्गकॉन्ग 1 जुलाई, 1997 को पीपुल्स रपिब्लकि ऑफ चाइना का एक वशिेष प्रशासनकि क्षेत्र (SAR) बन गया।

थ्री बैंडेड रोज़फचि

बॉम्बे नेचुरल हसि्ट्री सोसाइटी (BNHS) के वैज्ञानकिों ने पूर्वी हमिालय में पक्षी की नए नई प्रजाति की उपस्थति दिर्ज की है। 'थ्री बैंडेड रोज़फचि' नामक यह पक्षी प्रजाति प्रायः दक्षणिी चीन और भूटान में पाई जाती है। बॉम्बे नेचुरल हसि्ट्री सोसाइटी के शोधकर्त्ताओं द्वारा इस पक्षी प्रजाति को अरुणाचल प्रदेश में समुद्र तल से लगभग 3800 मीटर ऊँचाई पर देखा गया है, जो कि भारत की जैव-ववधिता की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण है। इसी के साथ ही यह भारत में पक्षी परवािर की 1,340वीं प्रजाति बन गई है। ज्ञात हो कि वर्ष 2016 के बाद से, भारत में पाई जाने वाली पक्षी प्रजातयिों की सूची में 104 नई प्रजातयिाँ शामलि की गई हैं। 'थ्री बैंडेड रोज़फचि' पक्षी प्रजाति, फ्रजिलिडि परवािर से संबंधति है। भारत में इस पक्षी प्रजाति को जसि ऊँचाई पर रकिॉर्ड कयिा गया है, वह चीन में ज्ञात ऊँचाई से काफी अधकि है। इससे इस प्रजाति पर पारस्थितकि अनुसंधान की संभावनाएँ और अधकि बढ़ गई हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-10-april-2021